वर्ष–2016

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्षः– 24/02/1980 निरंक

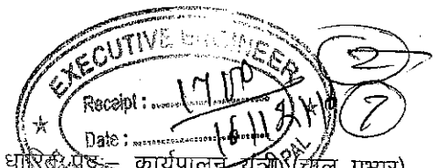

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नामः– श्री जयपाल सिंह 2. वर्तमान धारित पदः– कार्यपालन यंत्री (चालू प्रभार)

3. कार्यालय का नामः– कार्यालय कार्यपालन यंत्री अति उच्च दाब निर्माण संभाग–दो, म.प्र. पावर ट्रांस. कं.लि., गोविन्दपुरा, भोपाल 4. वर्तमान वेतनः– 47230+7690 ग्रेड पे+महंगाई भत्ता

5. भविष्य निधि क्रमांकः– 22320609 6. कर्मचारी संख्याः– 89324576

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है।	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्योरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
मकान क्र. 38 प्रायवेट बिजली नगर कालोनी गोविन्दपुरा, भोपाल	आवासीय भवन 30X50= 1500 वर्ग फीट पर निर्मित	–निरंक–	वर्ष–2014 तक लगभग 60 लाख रूपये वर्तमान में भी लगभग 60 लाख रूपये	स्वयं के नाम पर	1991 में म.प्र.वि. मण्डल कर्मचारी ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित भोपाल द्वारा आवंटित भूखण्ड पर वर्ष 1997 में भवन निर्माण किया गया।	–निरंक–	

हस्ताक्षर .....

नामः– श्री जयपाल सिंह

पदः– कार्यपालन यंत्री (चालू प्रभार)

- जहां लागू न हो काट दीजिए
- ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही–सही निर्धारण करना संभव न हो वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए
- इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित है।

टिप्पणी–मंडल द्वारा ग्राहय म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) निगम, 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी, तथा तृतीय श्रेणी, सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करें और उसमें यह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य लंबित के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।